# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नही सरकारी.... पेज: 6

मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है। पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 28 | बुधवार 29 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

**-बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी बस, टायर फटने से हुआ हादसा**

बवानीखेड़ा (एजेंसी)। हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि बस का टायर फटने के बाद वह डीजल टंकी से टकरा गया, जिससे आग लग गई। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच अभी चल रही है। बवानीखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

## सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से मिली जमानत

शिलांग (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई है। यह वहीं मामला है, जिसने इंदौर से लेकर मेघालय तक और पूरे देश में काफी सनसनी फैला दी थी। मामले की शुरुआत एक नवविवाहित जोड़े से जुड़ी दुखद घटना से हुई थी। इंदौर निवासी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, 21 मई को दोनों हनीमून के लिए शिलांग गए थे। शुरुआत में यह यात्रा सामान्य लग रही थी, लेकिन 23 मई के बाद दोनों के लापता होने की खबर सामने आई, जिससे परिवार और प्रशासन में चिंता फैल गई। करीब 10 दिन की खोजबीन के बाद पुलिस को 2 जून 2025 को शिलांग की गहरी घाटी से राजा रघुवंशी का शव मिला। शव करीब 30 फीट गहरी खाई में मिला और उस पर धारदार हथियार के निशान मिले, जिससे यह साफ हुआ कि मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का है।

## नितेश राणे को एक महीने की जेल की सजा, मामले के समय राणे कांग्रेस में थे , इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे को सिंधुदुर्ग कोर्ट ने इंजीनियर पर कीचड़ फेंकने के मामले में एक महीने की जेल की सजा सुनाई। सिंधुदुर्ग कोर्ट ने कहा कि जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक या पार्षद) कानून अपने हाथ में नहीं ले सकते। हालांकि, बाद में सजा पर रोक लगाकर उन्हें हाईकोर्ट में अपील करने का समय दिया है। इस मामले में बाकी 29 आरोपियों को बरी किया गया। यह मामला 4 जुलाई 2019 का है। उन्होंने एनएचएई के सब-डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेडेकर को मुंबई-गोवा हाईवे चौड़ीकरण के काम का निरीक्षण करने के लिए बुलाया था। सड़क की खराब हालत और जलभराव को लेकर मंत्री राणे नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री राणे और उनके समर्थकों ने इंजीनियर पर कीचड़ डाल दिया। उन्हें कीचड़ भरे पानी में चलने के लिए मजबूर किया। तब नितेश राणे कांग्रेस में थे। अभी वह भाजपा में हैं और महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री हैं।

## राहुल गांधी नागरिकता मामले में अब जस्टिस मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अब न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कोर्ट से मामले में आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने याची के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है। पहले, उनकी याचिका लखनऊ की एमपी-एमएलए अदालत से खारिज हुई थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के पास उन्होंने मौजूदा याचिका दाखिल की थी। इसी 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने खुली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने और मामले की जांच कराने का मौखिक आदेश राज्य सरकार को दिया था। अगले ही दिन आए आदेश में अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इसको लेकर कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने इस केस से खुद को अलग कर लिया था। याची शिशिर ने बताया कि इसी मामले से संबंधित एक अन्य याचिका भी उन्होंने हाईकोर्ट में दाखिल की है, जिसपर अगले सप्ताह सुनवाई की संभावना है।

# भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरुरत नहीं, यह पहले से ही हिंदू राष्ट्र रहा

### आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम में अपने विचार रखे

**नागपुर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर अहम विचार रखे। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने साफ किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई औपचारिक जरुरत नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है।

आरएसएस की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पीएम मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा।

उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था। भागवत ने यह भी कहा कि एक समय हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र कहना उपहास का विषय हुआ करता था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। राम मंदिर बनने तक लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने को कहते हैं, लेकिन हम कहते हैं कि जो बात पहले से ही सच है उसे घोषित करने की कोई जरुरत नहीं है।

मोहन भागवत ने समाज की बदलती मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने याद दिलाया कि उपहास से स्वीकृति तक एक समय था जब भारत को हिंदू राष्ट्र कहना मजाक समझा जाता था। राम मंदिर के निर्माण से पहले लोग इस दावे पर हंसते थे। आज वही लोग स्वीकार करते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमि है। संघ प्रमुख ने उन मांगों का जवाब दिया जो भारत को आधिकारिक तौर पर हिंदू राष्ट्र घोषित करने की बात करते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि जो बात पहले से ही सच है, उसे बार-बार घोषित करने की क्या जरुरत है? यह कार्यक्रम उन शिल्पकारों और मार्गदर्शकों के सम्मान में था, जिन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका निभाई। भागवत का यह संबोधन न केवल मंदिर निर्माण की सफलता का उत्सव था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों और उसके स्व को पहचानने का एक आह्वान भी था। उनके मुताबिक मंदिर का अस्तित्व भारत के स्वाभिमान और उसकी प्राचीन पहचान के पुनरुत्थान का प्रतीक है।

## दाऊद का करीबी ड्रग माफिया सलीम डोला तुर्की से भारत लाया गया, खुफिया एजेंसियां करेंगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए उसे दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट लाया गया, जहां अब भारतीय खुफिया एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। सलीम डोला को हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा था। वह दुबई और तुर्की जैसे देशों में छिपकर भारतीय युवाओं तक ड्रग्स पहुंचाने का एक बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद डोला को भारत लाने का रास्ता साफ हुआ। दिल्ली में पूछताछ पूरी होने के बाद उसे मुंबई पुलिस या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया जाएगा। डोला के तार सीधे तौर पर दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से जुड़े हैं। वह भारत में ड्रग्स सप्लाई का एक बड़ा चैनल संभाल रहा था और उसे वैश्विक सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क में एक बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, उसका ड्रग सिंडिकेट सालाना 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का काला कारोबार कर रहा था। भारत के कई हिस्सों में डोला की अवैध ड्रग फैक्ट्रियां और लैब पहले ही पकड़ी जा चुकी हैं। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उस पर 1 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। सलीम डोला पहले मुंबई और फिर दुबई से अपना पूरा नेटवर्क चला रहा था। भारतीय एजेंसियां पिछले साल से ही उसके करीबियों पर कार्रवाई कर रही हैं। अक्टूबर 2025 में डोला के करीबी मोहम्मद सलीम सोहेल शेख को दुबई से भारत लाया गया था। नवंबर 2025 में डोला के बेटे ताहिर डोला समेत परिवार के चार सदस्यों को भी दुबई से लाकर गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी को ड्रग नेटवर्क पर एक बड़ी चोट माना जा रहा है।

## 'मोदी की गारंटी' पर आतिशी ने उठाया सवाल, दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये नहीं मिले

**-दिल्ली में सरकार बने एक साल से ज्यादा समय हुआ**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया है। आप नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर महिलाओं से किए गए वादों को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ÷मोदी की गारंटी÷ पर सवाल उठाकर पूछा कि दिल्ली की महिलाओं को वादा किए गए अब तक क्यों नहीं मिले।

आप नेता आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा की थी कि 8 मार्च 2025, यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर, दिल्ली की हर महिला के खाते में 2500 रुपये भेज दिए जाएंगे। अपने इस वादे को भाजपा ने बड़े स्तर पर प्रचारित भी किया था। लेकिन आतिशी के अनुसार, अब 8 मार्च 2026 भी बीत चुका है और महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मोदी की गारंटी को ÷झूठा वादा÷ बताकर कहा कि यह दिल्ली की महिलाओं के साथ सीधा धोखा है। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में जाकर महिलाओं के लिए नई योजनाओं और आर्थिक सहायता के वादे कर रही हैं, जबकि दिल्ली की महिलाओं को अभी तक कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में ही वादे पूरे नहीं हो रहे, तब अन्य राज्यों में किए जा रहे वादों पर कैसे भरोसा किया जाए। इसके अलावा, आतिशी ने महिलाओं से जुड़ी सुविधाओं में कटौती का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा करती थीं, लेकिन अब उन्हें 'पिंक कार्ड' बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि 100 से 150 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए हैं, जिससे खासकर महिलाओं और गरीब वर्ग को मुफ्त इलाज और दवाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर भी आतिशी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना को असंवैधानिक बताकर कहा कि यह दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन है। उनके अनुसार, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद इस तरह का विलय स्वीकार्य नहीं है। आतिशी ने अंत में भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाना सही नहीं है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित कर कहा कि इतिहास गवाह है–अत्याचार और अन्याय लंबे समय तक नहीं टिकते, और अंततः उनका पतन निश्चित होता है।

# आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

### केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी।

इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं।

संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा।

क्या कहता है दल बदल कानून

संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं ठहराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य ठहराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

## नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसाद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

# शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर धमाके की नाकाम कोशिश, टीमें जांच में जुटी

### धमाके की कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौत, ट्रैक पर मिला शव

**पटियाला (एजेंसी)।** पटियाला में शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखे जाने के बाद धमाका करने की नापाक कोशिश की गई। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर इलाके का मुआयना किया। पटियाला के एसएसपी ने बताया कि सोमवार रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा सीमा के पास रेलवे ट्रैक धमाका होने की आशंका सूचना मिली थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला कि वास्तव में एक बड़ा धमाका करने की एक कोशिश थी। इस कोशिश में शामिल व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बरामद हुआ है, जिस शख्स ने धमाका करने की कोशिश की, उसने निहंग सिंह का वेश धारण किया हुआ था। उसकी पहचान जगरूप सिंह के रूप में हुई है जो तरन तारन के पंजवार खुरद गांव का रहने वाला था। फॉरेंसिक की एक टीम धमाके वाली जगह से नमूने जमा कर रही है ताकि इस्तेमाल किए गए विस्फोटक की पहचान की जा सके। पुलिस हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है।

एसएसपी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। मौके पर सिम कार्ड समेत जो भी साईंटिफिक एविडेंस मिला, उसको बरामद करके टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन को सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही पूरे षड़यंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा। जीआरपी, आरपीएफ जांच में जुटी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मैं उस गंभीर इंटेलिजेंस विफलता की कड़ी निंदा करता हूं, जिसके कारण सोमवार रात शंभू के पास दिल्ली-राजपुरा रेलवे ट्रैक पर एक कायरतापूर्ण ब्लास्ट की कोशिश हुई। यह साफ है कि कई दिन पहले एक खतरे की जानकारी मिलने के बावजूद, कोई भी एहतियाती कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने लिखा कि यह घटना पुलिस थानों और चौकियों पर कई धमाकों और यहां तक कि स्टेट इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर पर आरपीजी हमले के बाद हुई है।

उन्होंने लिखा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान, जो गृह मंत्री भी हैं, उन्हें अपनी गहरी नींद से जागना चाहिए और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उनका यह लापरवाही रवैया पंजाब को फिर से उस पुराने अंधेरे दौर में धकेल रहा है, जो बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। बता दें इससे पहले इसी साल जनवरी में भी ऐसा ही धमाका हुआ था। फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में फ्रेट कॉरिडोर के ट्रैक पर विस्फोट हुआ था। इस हादसे में एक ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था और एक लोको पायलट घायल हुआ था।

## जयपुर में तेज आंधी से हवाई यातायात हुआ अस्त-व्यस्त, कई उड़ानें डायवर्ट और यात्री घंटों परेशान

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात मौसम के अचानक बदले मिजाज ने हवाई यातायात को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। शहर में आई भीषण आंधी और धूल के गुबार के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) इस कदर गिर गई कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराना असंभव हो गया। इस प्राकृतिक व्यवधान के कारण तीन प्रमुख उड़ानों को दूसरे शहरों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कई अन्य विमान ईंधन और सुरक्षा की चिंता के बीच घंटों आसमान में चक्कर काटते रहे।

रात के समय आई तेज आंधी के कारण पायलटों को रनवे देखने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके परिणामस्वरूप, इंदौर से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7745) को वापस इंदौर भेज दिया गया। वहीं, मुंबई से जयपुर आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस और अहमदाबाद से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-7131) को दिल्ली एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इन उड़ानों के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी, क्योंकि वे अपने गंतव्य के बजाय दूसरे शहरों में फंस गए।

जो विमान डायवर्ट नहीं हुए, उनके यात्रियों की भी सांसें अटकी रहीं। मुंबई से आई एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-413) करीब एक घंटे तक और गुवाहाटी से आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6ई-749) करीब पौने घंटे तक जयपुर के आसमान में चक्कर काटती रहीं। ईंधन की सीमित मात्रा और खराब मौसम के बीच पायलट लगातार एटीसी के संपर्क में रहे और मौसम साफ होने का इंतजार करते रहे। इस अनिश्चितता के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 3 से 5 घंटे की अतिरिक्त देरी का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट परिसर में भी परिजनों का इंतजार लंबा होता गया, जिससे तनाव की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, अचानक आए पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई थी, जिसने रनवे पर दृश्यता को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया। एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ही लैंडिंग के बजाय डायवर्जन का कठिन निर्णय लिया गया। इस घटना ने एक बार फिर प्री-मानसून सीजन में हवाई यात्रा की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य हो गया है, लेकिन अधिकारियों ने यात्रियों को अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करके ही घर से निकलने की सलाह दी है।

# भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य शक्ति बना, रक्षा बजट में भारी वृद्धि

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** साल 2025 में वैश्विक रक्षा समीकरणों में भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया भर में अपनी सेनाओं पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष दुनिया के कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। बता दें कि भविष्य की चुनौतियों और ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों को देखते हुए, भारत सरकार ने 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय शामिल है, जिसका उपयोग नए लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, मिसाइलें और ड्रोन सिस्टम खरीदने के लिए किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी इस सूची में क्रमशः पहले चार स्थानों पर काबिज हैं। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर था। इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रखने हेतु आपातकालीन आधार पर हथियारों और साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की गई थी।

पड़ोसी देशों की बात करें तो चीन 336 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, आर्थिक संकटों से जूझ रहा पाकिस्तान 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ वैश्विक सूची में 31वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अकेले अमेरिका, चीन और रूस की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है। यूरोप में भी रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो देशों की सक्रियता के चलते सैन्य खर्च में 14 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है।

भारत अपनी रक्षा रणनीति में अब बदलाव ला रहा है। यद्यपि भारत अभी भी सैन्य हार्डवेयर का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है, लेकिन रूस पर इसकी निर्भरता कम हो रही है। सिपरी के आंकड़ों के अनुसार, 2011-15 में भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गई है। भारत अब फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे देशों से आधुनिक तकनीक हासिल कर रहा है।

# अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता

किशन सनमुखदास भावनानी

**वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती।**

दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर कदम, हर निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिकी तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं,क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी?

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स ) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वाभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दशार्ता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाजुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच

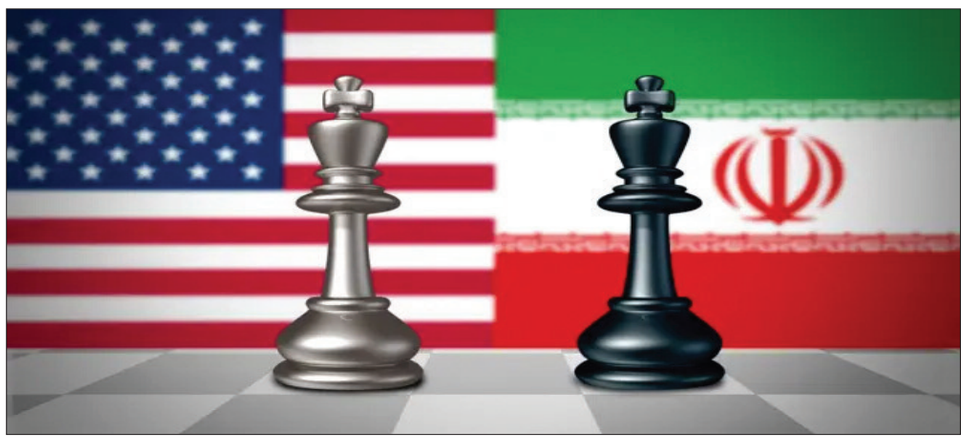

गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दशार्ता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके।

साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

## संपादकीय

### हास्य पर बंदिश

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता -फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है - 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया।

## चिंतन-मनन

### धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# प्रचंड गर्मी का कहरः लू के थपेड़ों से झुलसता देश, राहत की आस में टकटकी लगाए लोग

कांतिलाल मांडोत

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है।

बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछा या दुपट्टा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं।

पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा।

उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा।

देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं।

इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य, सावधानी और सतर्कता ही इस संकट से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। लोग राहत की उम्मीद में आसमान की ओर देख रहे हैं, जहां बादलों की एक हल्की परत भी उन्हें सुकून दे सकती है। लेकिन तब तक इस तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच खुद को सुरक्षित रखना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

# आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

ललित गर्ग

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है।

इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं।

विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे 'आशा बांटें, खुशियां जगाएं' के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं।

निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# चुनावी सुगबुगाहट गायब, आरक्षण और समय पर संशय बरकरार

## समय निर्धारित न होने से असमंजस में प्रधान पद के दावेदार

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आमतौर पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नजदीक आते ही गांवों की चौपालों पर राजनीति की सरगर्मियां तेज हो जाती हैं। दुकानों पर हार जीत के समीकरण बिठाए जाते हैं प्रत्याशियों के पोस्टरों से दीवारें पट जाती हैं। लेकिन आरक्षण और चुनाव के समय को लेकर असमंजस की स्थिति होने से प्रधान पद के दावेदार उदास हैं। मौजूदा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल अगले माह 26 मई को समाप्त हो जाएगा। लेकिन, प्रधान पद के चुनाव को लेकर गांवों में फिलहाल कोई हलचल दिखाई नहीं दे रही है, जिससे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदार भारी असमंजस में फंसे हुए हैं। गांवों में चुनावी सन्नाटे के पीछे कई तकनीकी और प्रशासनिक कारण माने जा रहे हैं। दावेदारों की सबसे बड़ी चिंता आरक्षण की स्थिति को लेकर हैं। जब तक सीटों का आरक्षण स्पष्ट नहीं हो जाता, तब तक कोई भी प्रत्याशी खुलकर सामने आने या चुनाव प्रचार में पैसा खर्च करने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। दावेदारों को डर है कि कहीं उनकी सीट दूसरे आरक्षण में न चली जाए। ऐसी स्थिति में उनकी महीनों की मेहनत और खर्च बेकार जा सकता है। चुनाव आयोग की ओर से तारीखों के ऐलान में देरी और मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यों ने भी उत्साह को ठंडा कर दिया है।

### ये बोले मतदाता

पिछले चुनावों के दौरान इस समय तक गांवों में दावतों का दौर शुरू हो जाता था। दावेदार घर-घर जाकर आशीर्वाद लेना शुरू कर देते थे। लेकिन इस बार स्थिति अलग है।
अनुज शर्मा, ग्रामीण

जमीन पर शोर-शराबा कम हो, लेकिन कुछ दावेदार सोशल मीडिया के जरिए अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर बधाई संदेशों और समाज सेवा के पोस्ट डाले जा रहे हैं, ताकि वे मतदाताओं की नजरों में बने रहें।
**सोनू सिंह, ग्रामीण**

गांवों की राजनीति एक अनिश्चित मोड़ पर खड़ी है। प्रशासन की ओर से जब तक आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं होगी, तब तक के लिए दावेदारों की धड़कनें तेज हैं और वे केवल अपनी रणनीति बनाने तक ही सीमित हैं।
**राशिद मलिक, ग्रामीण**

# भाजपा छोड़ सपा में शामिल होने के बाद पूर्व जिला अध्यक्ष से की राजेंद्र सिंह ने मुलाकात

अमरोहा (सब का सपना):- भाजपा छोड़कर सपा में शामिल होने के बाद पूर्व जिला अध्यक्ष निरमोज यादव से राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने निरमोज यादव को शुभकामनाएं दीं और 2027 में प्रदेश में सपा सरकार बनाने की बात कही। राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने कहा कि सपा की नीतियों से प्रभावित होकर मैंने भाजपा छोड़कर सपा में शामिल होने का फैसला किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के

नेतृत्व में प्रदेश में एक मजबूत और विकासशील सरकार बनाने के लिए हम काम करेंगे। निरमोज यादव ने भी राजेंद्र सिंह खड्गवंशी का स्वागत किया और कहा कि सपा में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिली है। हम सब मिलकर 2027 में प्रदेश में सपा सरकार बनाएंगे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने सपा की नीतियों और आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सपा प्रदेश में विकास और जनहित के मुद्दों पर काम करेगी और 2027 में सरकार बनाएगी।

# गजरौला में मातृशक्ति का आक्रोश: बस्ती से थाना चौराहे तक ऐतिहासिक रैली, 33% आरक्षण के विरोध पर फूटा गुस्सा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गजरौला क्षेत्र में आज उस समय ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला, जब बस्ती से थाना चौराहे तक ह्यमहिला जन आक्रोश रैलीह्ल के रूप में मातृशक्ति का अभूतपूर्व शंखनाद हुआ। विधायक राजीव तरारा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस भव्य रैली ने जनसमर्थन के नए आयाम स्थापित किए।
बता दें कि रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेते हुए अपने अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। यह पदयात्रा बस्ती क्षेत्र से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई थाना चौराहे तक पहुंची।रैली के समापन पर आयोजित सभा में विधायक राजीव तरारा ने मंच से संबोधन देते हुए कहा कि ह्लमहिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का जो प्रयास किया गया, उसका विरोध करना महिला सशक्तिकरण के खिलाफ है। मातृशक्ति अब इस तरह के विरोध को स्वीकार नहीं करेगी। इस दौरान महिलाओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा-कांग्रेस द्वारा 33% महिला आरक्षण का विरोध किया गया, जिसके खिलाफ उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया।विरोध स्वरूप महिलाओं ने पुतला दहन किया तथा जूते-चप्पल मारकर अपना रोष प्रकट किया। इस दौरान गूंजे नारों ने पूरे क्षेत्र का माहौल गरमा दिया और महिलाओं की एकजुटता साफ नजर आई।यह रैली इस बात का संकेत है कि अब मातृशक्ति अपने अधिकारों के मुद्दे पर खुलकर सामने आ रही है और किसी भी विरोध का सशक्त जवाब देने के लिए तैयार है।इस अवसर पर दीपाली गंगवार, अंजू जाटव, पूनम यादव,प्रियंका शर्मा,सपना प्रजापति ,माया सरिता, अनीता, मंजू ,रेनू ,सर्वेश, पिंकी, लता पूजा निर्दोष मीना चंद्रावती,उषा ,किरण, शीला, यशोदा ,सीमा,आदि, उपस्थित रहे

# धनौरा में भाकियू टिकैत गुट ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

## समय सीमा के भीतर मांगे पूरी ना होने पर दी आन्दोलन की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भारतीय किसान यूनियन टिकैट के कार्यकताओं ने मंगलवार को उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को विज्ञापन सौंपा ।इस दौरान यूनियन ने विभिन्न क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की मांग की और चेतावनी दी कि यदि 3 मई तक उनकी मांगे पूरी नहीं की गई तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।
बता दें कि मंडल उपाध्यक्ष सौवीर सिंह के नेतृत्व में तहसील परिसर पहुंचे कार्यकताओं ने प्रशासन को स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 4 मई को तहसील परिसर में महापंचायत आयोजित की जाएगी और चक्का जाम भी किया जाएगा ।ज्ञापन के माध्यम से यूनियन ने 6 सूत्रीय मांगे

रखी है जिनमें जिला सहकारी बैंक द्वारा किसानों से 7% ब्याज वसूलने का मुद्दा भी शामिल है जबकि पिछले वर्ष की सब्सिडी अभी तक उनके खातों में नहीं आई है ,इसके अतिरिक्त निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों को निर्धारित दुकानों से किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए मजबूर करने पर रोक लगाने और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने की मांग की गई ।किसानों ने गंगा एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित की जा रही जमीन के कम सर्किल रेट पर भी चिंता जताई है उन्होंने सर्किल रेट बढ़ाए जाने के संबंध में प्रशासन के साथ वार्ता सुनिश्चित करने की मांग की। यूनियन ने चकबंदी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और विद्युत विभाग की मनमानी पर रोक लगाने की भी मांग की, इस संबंध में संबंधित उच्च अधिकारियों के साथ बैठक सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। गन्ना किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा के साथ वार्ता का समय तय करने की मांग भी की गई।
यूनियन के पदाधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि शासन प्रशासन के पास समस्याओं के पूर्ण समाधान के लिए 3 मई 2026 तक का समय है, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस अवधि तक वार्ता विफल रहती है या समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष सौवीर सिंह, बचन सिंह, जिला मीडिया प्रभारी फूलवस सिंह, जयपाल सिंह, मयंक धारीवाल, राजवीर सिंह धारीवाल ,नरोत्तम सिंह ,मोहित सिद्धू, राजीव राठी ,अमन ,साजिद और तरुण सहित बड़ी संख्या में किसान लोग मौजूद रहे।

# रजबपुर पुलिस ने पोक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पोक्सो एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है ,यह कार्यवाही मंगलवार को की गई है जिसके बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।
बता दें कि गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गजेंद्र उर्फ गौरव पुत्र प्रभुनाथ के रूप में हुई है जो ग्राम महेश्वरा थाना रजबपुर जनपद अमरोहा का निवासी है और उम्र लगभग 22 वर्ष है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था और उसकी तलाश की जा रही थी। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक यादव के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई है ।टीम ने अभियुक्त को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि महिलाओं एवं बच्चों से जुड़े अपराधों के प्रति पुलिस प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। ऐसे मामलों में प्रशासन की तरफ से सख्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

# सिर्फ 1 घंटे में मेरठ! गंगा एक्सप्रेसवे से कैसे बदल जाएगी अमरोहा और हसनपुर की तकदीर?

अमरोहा। गंगा एक्सप्रेसवे 29 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। जिससे क्षेत्र के लोगों में बड़ी उत्सुकता दिखाई दे रही है। गंगा एक्सप्रेसवे के चालू होने पर लोगों के जीवन की डोर टूटने से रोकने की राह भी आसान हो जाएगी। 29 अप्रैल से गंगा एक्सप्रेसवे पर वाहन फरार्टा भरने लगेंगे। जिम्मेदार शुभारंभ की तैयारियों में जुटे हैं।
हसनपुर तहसील क्षेत्र में बडे.पैमाने पर सड़क हादसे हो रहे हैं। हादसों में गंभीर घायलों को चिकित्सक प्राथमिक उपचार के बाद अधिकतर हायर सेंटर मेरठ रेफर करते हैं। गजरौला और गढ़मुक्तेश्वर होकर मेरठ का मंगरौला से करीब 90 किलोमीटर का सफर तय करने में नेशनल हाइवे पर जाम और भीड़ तथा मार्ग छतिग्रस्त होने के चलते दो घंटे से अधिक का समय लग जाता था। लेकिन, गंगा एक्सप्रेसवे बनने से न केवल यह सफर करीब 20 किलोमीटर घट जाएगा। बल्कि गंगा एक्सप्रेसवे पर 100 से 120 किमी प्रति घंटा की रफतार को देखते हुए यह सफर दो घंटे के बजाय एक घंटे में तय हो जाएगा। जिससे घायलों व

गंभीर रोगियों को समय रहते उपचार मिलने से रास्ते में दम तोड़ने वालों का जीवन बचने के चांस बढ़ जाएंगे। मता-पिता व बच्चों से मिलना भी होगा आसान
संस, हसनपुरः अपने घर द्वार को छोड़कर मेरठ, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व हापुड़ जनपदों में नौकरी करने वाले मजदूरों, प्राइवेट कर्मचारियों एवं पुलिस वालों को अपने माता-पिता व बच्चों से मिलना भी आसान हो जाएगा ।दिल्ली, नोएडा एवं हापुड़ से हसनपुर क्षेत्र के लोगों को आने के लिए हापुड़ जनपद में बक्सर टी प्वाइंट से गंगा एक्सप्रेसवे पर चढ़कर अपना सफर 15 से 20 किमी तक कम और आसन करना होगा ।वहां से चलकर वह मंगरौला टी प्वाइंट पर उतर जाएंगे। थानों में नौकरी करने वाले पुलिस कर्मी थोड़ा समय मिलते ही अपने परिवार में आ सकेंगे। यहां के मजदूर बड़ी तादात में नोएडा एनसीआर में नौकरी करते हैं ।गंगा एक्सप्रेसवे के चालू होने पर यहां के लोगों को दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़ आदि शहरों तक आना-जाना आसान हो जाएगा। यहां के लोगों अधिकतर अपना इलाज मेरठ कराते हैं मेरठ का सफर आसान हो रहा है।
मुदित गुर्जर, हसनपुर।
मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे चालू होने से क्षेत्र के विकास को पंख लगेंगे। दूसरे जनपदों के लोगों के यहां आने से व्यापार बढेगा। वहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को पूर्वांचल तक आने जाने में सुविधा मिलेगी।
नरेंद्र प्रताप राणा, पूर्व जिला महामंत्री भाजपा।
हसनपुर से प्रयागराज का सफर आसान होने से यहां के वादकारियों और अधिवक्ताओं को प्रयागराज हाईकोर्ट तक अपने मुकदमों की पैरवी करने आना-जाना आसान हो जाएगा। लोग तारिख करके दिन के दिन अपने घर लौट सकेंगे।
चौधरी गजेंद्र सिंह अध्यक्ष तहसील बार एसोसिएशन।
मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे चालू होने से यहां के लोगों को प्रयागराज संगम में डुबकी लगाने की राह भी आसान हो जाएगी। वहीं, पूर्वांचल के लोग छोटा हरिद्वार कहे जाने वाले बृजघाट और तिगरी धाम तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

# 6 महीने में ध्वस्त हुई 20 लाख की नाली-सड़क, औरंगाबाद में भ्रष्टाचार के आरोप

औरंगाबाद/बुलन्दशहर (सब का सपना):- नगर पंचायत औरंगाबाद में विधायक निधि से करीब 19.22 लाख रुपये की लागत से बनी नाली और खड़ंजा सड़क महज छह महीने में ही क्षतिग्रस्त हो गई। वार्ड नंबर 1 के तालमनगर रोड स्थित कब्रिस्तान के सामने लक्ष्मण सैनी के घर तक कराए गए इस निर्माण में सड़क जगह-जगह धंस गई है और नाली भी ढह गई है।
स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पहले भी शमशाबाद रोड पर निर्माण कार्य में खामियां सामने आ चुकी हैं, जिससे नगर पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोप तेज हो गए हैं।
नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सेवा राम राजभर ने मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

# होनेस्ट क्लब संस्कार शाखा द्वारा स्वच्छ पेयजल सेवा का शुभारंभ

बुलंदशहर (सब का सपना):- होनेस्ट क्लब संस्कार शाखा द्वारा मोहिनी इकादशी के अवसर पर सामाजिक सेवा के अंतर्गत मोती बाग स्थित दया इंजीनियरिंग के पास राहगीरों के लिए ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की सुविधा प्रारंभ की गई। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना एवं सेवा भाव को बढ़ावा देना है।
इस पेयजल सेवा का शुभारंभ डॉ. वीरेन्द्र गर्ग एवं महेश अरोड़ा द्वारा

संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अमन गर्ग, सचिव क्षितिज अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिवम गुप्ता, सह सचिव अंकुश वार्ष्णेय, मीडिया प्रभारी तुषार अग्रवाल सहित सदस्य वरुण अग्रवाल, शुभम गुप्ता, अनंत गुप्ता एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।
क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि होनेस्ट क्लब समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में निरंतर सक्रिय है और भविष्य में भी इस प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जारी रखेगा।

# थाने में हाई-वोल्टेज ड्रामा: पत्नी ने नहीं किया समझौता, तो पति ने खाया 'नकली' जहर; पुलिस की फूल गई सांसें

अमरोहा। दंपती के बीच चल रहे विवाद का निपटारा कराने के लिए मिशन शक्ति केंद्र में चल रही समझौता वार्ता सफल नहीं हुई तो पति ने सल्फास खाने का स्वांग रच दिया। जिससे पुलिस कर्मियों के हाथ-पैर फूल गए तथा उसे आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने जहर का सेवन न किए जाने की पुष्टि की। इस मामले में पति व अन्य ससुराल वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। यह मामला नौगावां सादात थाना परिसर स्थित मिशन शक्ति केंद्र का है। थाना क्षेत्र के गांव खालकपुर निवासी सुभाष कुमार ने अपनी बेटी नीशू की शादी 19 अप्रैल 2024 को क्षेत्र के गांव मिजार्पुर निवासी विजयपाल सिंह के बेटे अर्जुन के साथ की थी। शादी के बाद से ही दंपती के बीच विवाद रहने लगा।
दोनों ने तलाक के लिए अदालत में आवेदन भी किया था, लेकिन नियमानुसार अदालत ने दोनों को छह महीना की मोहलत देकर साथ रहने के लिए भेज दिया था। अब 13 अप्रैल 2025 को यह अवधि समाप्त हो गई। आरोप है कि उसके बाद से ही ससुराल में नीशू के साथ मारपीट शुरू कर दी गई ।रविवार 26 अप्रैल को भी मारपीट कर घर से निकाल देने का आरोप है। लिहाजा रविवार को नीशू अपनी मां सुनीता के साथ थाने पहुंची थी तथा तहरीर दी थी। पुलिस ने दोनों पक्षों को सोमवार को सुलह समझौते के लिए मिशन शक्ति केंद्र बुलाया था। यहां पर पुलिस कर्मी दोनों के बीच सुलह का प्रयास कर रहे थे, लेकिन समझौता नहीं हुआ। इस पर अर्जुन मिशन शक्ति केंद्र से बाहर उठकर आ गया। लगभग पांच मिनट के भीतर ही वह थाने के गेट पर गिर गया। लोगों मौके पर जुटे तो बताया कि उसने जहर का सेवन कर लिया है। जिस पर पुलिस कर्मियों के हाथ-पैर फूल गए। आनन-फानन में पुलिस कर्मी पिता विजयपाल के साथ अर्जुन को लेकर जोया रोड स्थित पैनेशिया अस्पताल पहुंचे। यहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने जहर का सेवन न किए जाने की पुष्टि की। हालांकि फिलहाल वह अस्पताल में ही उपचाराधीन है। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि पत्नी की तहरीर पर अर्जुन व स्वजन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

# छत्रपति शिवाजी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सामाजिक सद्भावना बैठक आयोजित

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के हजरतपुर स्थित छत्रपति शिवाजी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सामाजिक सद्भावना बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी सनातनियों को आमंत्रित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता एवं समानता का भाव जागृत करना तथा अपने सनातन धर्म के प्रति राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर बुलंदशहर विभाग के विभाग संघचालक विकरन, अमित, मनुराज, हर्षिता सांगवान आदि अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कृष्ण कुमार (हिंदी प्रवक्ता) द्वारा विभिन्न स्थानों से आए सनातनी बंधु एवं बहनों का स्वागत करते हुए उनकी विशिष्टताओं और व्यावहारिक परिचय का स्वरूप सभा में प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में खंड कार्यवाह मनुराज रहे। बैठक में विभिन्न सनातनियों द्वारा विचार व्यक्त किए गए। भारत माता की वंदना कर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

# शादी में खाना खाने के बाद बिगड़ी लोगों की तबीयत, खाद्य विभाग ने लिए सैंपल

## लौकी की लौंज और गुलाब जामुन खाने के बाद हुई शिकायत, खोया भी जांच के दायरे में

संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना रजपुरा क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर मौलनपुर डांडा में एक शादी समारोह के दौरान भोजन करने के बाद कई लोगों की तबीयत खराब होने का मामला सामने आया है। घटना बीते रविवार रात की है, जब वीरपाल सिंह पुत्र दयाराम की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल मेहमानों ने खाना खाने के बाद स्वास्थ्य खराब होने की शिकायत की।

मामले की सूचना मिलने पर सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद वीरपाल सिंह और हलवाई राजेंद्र सिंह ने बताया कि अधिकांश लोगों ने लौकी की लौंज और गुलाब जामुन का सेवन किया था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिली।

खाद्य विभाग की टीम ने मौके से बचे हुए खाद्य पदार्थों के नमूने लौकी की लौंज और गुलाब जामुन संग्रहित कर जांच के लिए भेज दिए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि शादी में मिठाई बनाने के लिए गवां स्थित पावस मिष्ठान भंडार से खोया खरीदा गया था। इसके बाद टीम ने गवां पहुंचकर पावस मिष्ठान भंडार का भी निरीक्षण किया और वहां से खोया का नमूना लेकर खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह भी शामिल रहे।

अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, भीषण गर्मी को देखते हुए विभाग ने सभी कैटरर और हलवाइयों को सख्त निर्देश दिए हैं कि शादी समारोहों में भोजन व मिठाइयों के निर्माण के दौरान साफ-सफाई और सुरक्षित भंडारण का विशेष ध्यान रखें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

# 6 साल की अनदेखी पर उपभोक्ता आयोग सख्त, बिजली विभाग को भारी भरपाई का आदेश

## अधिकारियों के वेतन से कटेंगे 2.68 लाख, किसान को मिलेगा मुआवजा और नलकूप कनेक्शन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर कनैटा निवासी किसान मोहन लाल को आखिरकार लंबी कानूनी लड़ाई के बाद न्याय मिल गया। वर्ष 2018 में खेतों की सिंचाई के लिए निजी नलकूप कनेक्शन हेतु निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद बिजली विभाग ने न तो लाइन खींची और न ही विद्युत आपूर्ति शुरू की। पीड़ित किसान द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने केवल आश्वासन दिए। इसके बाद मोहन लाल ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय के माध्यम से जिला उपभोक्ता आयोग संभल में परिवाद दायर किया।

सुनवाई के दौरान बिजली विभाग ने आयोग को बताया कि परिवादी चाहे तो जमा धनराशि वापस ले सकता है या 68,000 अतिरिक्त जमा कर कनेक्शन प्राप्त कर सकता है। इस पर वादी पक्ष के अधिवक्ता ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए बताया कि विभाग ने नियमों की अनदेखी करते हुए बाद में आवेदन करने वालों को कनेक्शन दे दिए, जबकि मोहन लाल को लगातार छह वर्षों तक परेशान किया गया, जिससे उसे फसलों की भारी क्षति और मानसिक कष्ट झेलना पड़ा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को आदेश दिया कि संबंधित अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता के वेतन से 68,000 की कटौती कर मोहन लाल का निजी नलकूप कनेक्शन स्थापित कर विद्युत आपूर्ति सुचारु की जाए।

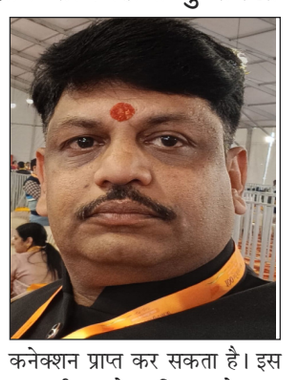

इसके अलावा आयोग ने अधिकारियों के वेतन से ही 2 लाख की कटौती कर पिछले पांच वर्षों में हुई फसलों की क्षति की भरपाई तथा 5,000 वाद व्यय के रूप में देने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय में आदेश का पालन नहीं किया गया तो क्षतिपूर्ति की राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। यह फैसला किसानों के अधिकारों की रक्षा और विभागीय लापरवाही पर कड़ा संदेश माना जा रहा है।

# डीएम ने दी हिदायत लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 7 मई से स्व-गणना अभियान पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में भारत की जनगणनाझ 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के अंतर्गत प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय चरण मंगलवार से शुरू हो गया। इस प्रशिक्षण में कुल 36 बैचों में 1570 कार्मिक नामित किए गए हैं।

प्रशिक्षण के पहले दिन 1570 नामित कार्मिकों में से 1505 ने सक्रिय सहभागिता की, जबकि 65 प्रशिक्षु अनुपस्थित रहे। फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागियों को डेटा संकलन की प्रक्रिया, मोबाइल एप के उपयोग और त्रुटिरहित प्रविष्टि के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा ने जनगणना के महत्व को बताते हुए सख्त निर्देश दिए कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने 7 मई से शुरू होने वाले स्व-गणना ((Self Enumeration) अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने और अधिक से अधिक नागरिकों को इसमें भागीदारी के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

इस दौरान उप जिलाधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हुए मकान सूचीकरण पूरी ईमानदारी, सतर्कता और लगन से किया जाए। साथ ही 7 मई से 21 मई तक निर्धारित 15 दिनों की अवधि में अधिकतम लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्रक्रिया को सरल, सटीक और प्रभावी बनाया जा सके।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे कार्मिकों के खिलाफ संबंधित विभागों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए अलग से पत्र भेजे जाएंगे।

# निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर डीएम सख्त

## एनसीईआरटी किताबें लागू कराने, सौ प्रतिशत नामांकन और ड्रॉपआउट रोकने के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सीबीएसई व आईसीएसई से संबद्ध निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में फीस वृद्धि, एनसीईआरटी पुस्तकों के संचालन और नामांकन अभियान जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

फीस वृद्धि को लेकर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए बताया कि पूर्व बैठक के बाद लिए गए प्रत्यावेदनों के निस्तारण में 15 विद्यालय निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली के दोषी पाए गए हैं। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि संबंधित विद्यालयों से शुल्क का पूरा विवरण तत्काल प्राप्त कर उसी दिन उनका पक्ष लेकर पत्रावली प्रस्तुत की जाए। बैठक में एनसीईआरटी पुस्तकों को लागू कराने पर भी जोर दिया गया। डीएम ने कहा कि नर्सरी से कक्षा 8 तक निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें चलाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं, जिस पर तत्काल नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को कड़े निर्देश दिए गए।

नामांकन अभियान को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि कक्षा 8 और 10 उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत प्रवेश क्रमशः कक्षा 9 और 11 में कराया जाए। उन्होंने अभियान चलाकर नामांकन पूरा करने और ड्रॉपआउट रोकने पर जोर दिया। साथ ही ऐसे छात्रों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिन्होंने आगे प्रवेश नहीं लिया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने ह्यज्ञान भारतम् मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि यह मिशन भारत की प्राचीन पांडुलिपियों और सांस्कृतिक धरोहर को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने के लिए शुरू किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उनके पास कोई पांडुलिपि या ऐतिहासिक दस्तावेज हों तो उसकी जानकारी साझा करें।

जिलाधिकारी ने जनगणना 2027 के तहत 7 मई से शुरू होने वाली स्व-गणना प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी और लोगों को इसमें भागीदारी के लिए प्रेरित करने को कहा।

इसके अलावा 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की जानकारी देते हुए बताया गया कि जनपद में भी इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित संबंधित अधिकारी और निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

# डूबने की घटनाओं पर डीएम की अपील नदी-नहर में स्नान से बचें, सतर्क रहें

## सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें, गुन्नौर में 15 लाइफ जैकेट उपलब्ध एडवाइजरी जारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में बढ़ती डूबने की घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने समस्त जनपदवासियों से सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग नदी, नहर, तालाब और पोखरों में स्नान करने से बचें तथा अभिभावक अपने बच्चों पर विशेष निगरानी रखें, जिससे किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि स्नान के लिए केवल चिन्हित और सुरक्षित घाटों का ही उपयोग किया जाए। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तहसील गुन्नौर में 15 लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही घाटों पर बैरिकेडिंग, सुरक्षित क्षेत्र का निर्माण और आपात स्थिति से निपटने के लिए रस्सी, नाव तथा प्रशिक्षित नाविकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डूबने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन ने विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से अपील की गई है कि उफनाई हुई नदियों, नहरों और नालों में न जाएं तथा बच्चों को पुलिया या ऊंचे स्थानों से पानी में कूदने से रोकें। आवश्यक होने पर ही पानी में उतरें और गहराई का विशेष ध्यान रखें।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि केवल वही लोग पानी में उतरें जिन्हें तैरना अच्छी तरह आता हो। नदियों या जलाशयों में जाते समय सामूहिक रूप से सतर्कता बरतें और जरूरत पड़ने पर कपड़े या अन्य साधनों से डूबते व्यक्ति की मदद करें।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जलाशयों के पास लगे चेतावनी संकेतों की अनदेखी न करें, छोटे बच्चों को अकेले घाटों के पास न जाने दें और किसी के उकसावे में आकर पानी में छलांग न लगाएं। साथ ही स्नान के दौरान स्टंट करने या सेल्फी लेने से बचने की भी सलाह दी गई है, क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है।

जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि जारी दिशा-निदेशों का पालन कर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

# चिलचिलाती धूप से बेहाल लोग, छाते का सहारा लेकर निकल रहे राहगीर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में इन दिनों भीषण गर्मी और तेज लू का असर साफ दिखाई दे रहा है। चिलचिलाती धूप के चलते आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है, वहीं जरूरी काम से निकलने वाले लोग सिर पर छाता लेकर या गमछा बांधकर ही बाहर निकल रहे हैं।

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में भी दोपहर के समय भीड़ कम देखने को मिल रही है। खासकर महिलाएं और बुजुर्ग धूप से बचने के लिए छाते का सहारा लेते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तापमान लगातार बढ़ रहा है और लू के थपेड़ों ने स्थिति और भी कठिन बना दी है।

चिकित्सकों की सलाह है कि लोग बिना जरूरी काम के घर से बाहर न निकलें, अधिक से अधिक पानी पिएं और धूप से बचाव के उपाय अपनाएं।

प्रशासन द्वारा भी लोगों को सावधानी बरतने और लू से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से बचा जा सके।

# आदमपुर से हरिद्वार तक सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग तेज

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के आदमपुर क्षेत्र के निवासियों ने हरिद्वार के लिए सीधी बस सेवा शुरू करने की मांग को लेकर रोडवेज विभाग से गुहार लगाई है। इस संबंध में गांव ढवारसी निवासी अंकुर त्यागी ने क्षेत्रीय प्रबंधक को प्रार्थना पत्र सौंपकर समस्या से अवगत कराया।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में आदमपुर क्षेत्र से हरिद्वार के लिए कोई सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं है। यात्रियों को कई स्थानों पर बस बदलनी पड़ती है, जिससे समय और पैसे दोनों की बबार्दी होती है। विशेष रूप से तीर्थयात्रियों, छात्रों और रोजाना आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आदमपुर से हरिद्वार के लिए सीधी बस सेवा शुरू की जाती है, तो न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी बल्कि रोडवेज विभाग की आय में भी वृद्धि होगी। हरिद्वार एक प्रमुख धार्मिक स्थल होने के कारण यहां जाने वाले यात्रियों की संख्या हमेशा अधिक रहती है। क्षेत्रवासियों ने विभाग से शीघ्र इस दिशा में कदम उठाने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

# महर्षि परशुराम शिक्षा सेवा समिति द्वारा नवनियुक्त जिलाधिकारी को किया गया सम्मानित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- महर्षि परशुराम शिक्षा सेवा समिति (ब्राह्मण समाज) बुलन्दशहर द्वारा नवनियुक्त जिलाधिकारी कुमार हर्ष को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समिति पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वक्ताओं ने आशा व्यक्त की कि जिलाधिकारी अपने कुशल नेतृत्व, ईमानदारी एवं दूरदर्शिता से जनपद को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएंगे और आमजन को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

कार्यक्रम में अध्यक्ष संजीव शर्मा, संस्थापक सदस्य बी.डी. शर्मा, धनेन्द्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, इन्द्रमोहन शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

बुलंदशहर (सब का सपना:- रघुवर दयाल प्रभु दयाल इंटर कॉलेज जहांगीराबाद में नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत "निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। निबंध में मुख्य तीन विषय "नारी त्याग, शक्ति और प्रेरणा का संगम" ,"सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र", " नारी सम्मानः एक सभ्य राष्ट्र की पहचान" रखे गए, जिनके आधार पर छात्राओं ने अपने विचारों को लेखनी के माध्यम से कागज पर उतारा। निर्णायक मंडल में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शीनू चौधरी रहीं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पावनी शर्मा कक्षा 9 और द्वितीय स्थान शिखा कुमारी कक्षा 9 ने प्राप्त किया। विजयी छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की धुरी नहीं वरन समाज और राष्ट्र के निर्माण की प्रमुख शक्ति है। वह हर परिस्थिति में धैर्य, साहस और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना जानती है। विजयी छात्राओं को प्रबन्धक गिरीश गर्ग, निदेशक शरद अग्रवाल ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक गतिविधियों में छात्राओं की भागीदारी रहनी चाहिए ताकि वे शिक्षा के माध्यम से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों, और एक बेहतर भविष्य की नींव रखें। प्रतियोगिता की संयोजिका बृजबाला चौहान रहीं।

# लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मी निलंबित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र में हुए दो गंभीर आपराधिक मामलों में लापरवाही उजागर होने पर एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने सख्त कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

पहले मामले में गांव सालवानपुर में युवती को पेट्रोल डालकर जलाने की घटना में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह को निलंबित किया गया। वहीं दूसरे मामले में छोटा बांस अकरवास कनैनी निवासी 17 वर्षीय किशोर की अपहरण के बाद हत्या कर शव कुएं में फेंकने के मामले में लापरवाही बरतने पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोहसिन अहमद, दरोगा संजय कुमार और सिपाही कुशल कुमार पर भी कार्रवाई की गई है।

दोनों मामलों में पुलिस की निष्क्रियता और कमजोर जांच को कार्रवाई का आधार बनाया गया है।

# लक्ष्य कॉलेज में टीडी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत कैंप में लगे 105 बच्चों को टीके

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक स्योहारा में चल रहे टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण अभियान के तहत लक्ष्य कॉलेज स्योहारा में एक विशेष टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का निरीक्षण डॉ बी के स्नेही ने किया, जहां व्यवस्थाओं और टीकाकरण की गुणवत्ता का जायजा लिया गया।

कैंप के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुल 105 बच्चों को टीडी वैक्सीन लगाई। बच्चों में टीकाकरण को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

निरीक्षण के दौरान डॉ. स्नेही ने बच्चों और अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि टीडी वैक्सीन टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए बेहद जरूरी है। साथ ही उन्होंने टीबी रोग के लिए चलाए जा रहे 100 दिवसीय स्क्रीनिंग अभियान की भी जानकारी दी।

इस मौके पर कॉलेज के डायरेक्टर अनुराग चौहान ने कैंप के सफल आयोजन में पूरा सहयोग दिया। संस्थान के प्रधानाचार्य और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से कैंप सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

डॉ. स्नेही ने कॉलेज प्रबंधन से मुलाकात कर 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी बालिकाओं के लिए एचपीवी (सर्वाइकल कैंसर) वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक कर अधिक से अधिक बालिकाओं को इस टीके से लाभान्वित करने का अनुरोध किया। कैंप के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम–हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एसटीएस मोहम्मद फारूख, एएनएम सरिता चौहान, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

इस सफल आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि शिक्षा संस्थानों और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से टीकाकरण अभियान को व्यापक सफलता मिल सकती है।

# कल्याण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के विद्यालय का रिजल्ट देखकर खिले छात्रों के चेहरे

## विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधिका ने छात्र एवं छात्राओं को मिठाई खिलाकर सफल होने पर दी बधाई

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बाल कल्याण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज यूपी बोर्ड हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम आते ही छात्रों के चेहरे खिल उठे। नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव रामोरूपपुर स्थित बाल कल्याण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का हाई स्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा के परीक्षा फल में आदित्य कुमार पुत्र टिंकू कुमार ने 86.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उधर याचिका पुत्री चमन सिंह ने 86.1%

अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त कियो। इसी क्रम में कनक चौधरी पुत्री चंद्रशेखर भूमि गोला पुत्री त्रिलोक कुमार ने संयुक्त रूप से 86% अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही इंटरमीडिएट परीक्षा के परीक्षा फल में विशाल कुमार पुत्र विजयपाल सिंह ने 86.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सचिन कुमार पुत्र हरीराज ने 84.6% अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में अभिषेक पुत्र विजयपाल सिंह 80% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामोतार सिंह औरे विद्यालय की प्रबंधिका आकांक्षा चौहान ने छात्रों के अच्छे प्रदर्शन पर उन्हे बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य रामोतार सिंह व नूरपुर ब्लॉक प्रमुख एवं विद्यालय की प्रबंधिका आकांक्षा चौहान ने छात्र एवं छात्राओं का मुंह मीठा कराकर सफल होने पर बधाई दी।

# रास्ते से वाहन हटाने को लेकर चले लाठी डंडे, युवक घायल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- हल्का नंबर 4 के ग्राम गोवर्धनपुर में मंगलवार सुबह करीब 6 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब रास्ते में खड़े वाहन को हटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और लाठी-डंडे चलने लगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन हटाने को लेकर अरुण कुमार (पुत्र प्रेमराज सैनी) और शुभम कुमार (पुत्र मलखान सिंह) के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। आरोप है कि शुभम कुमार ने अरुण कुमार के सिर पर लाठी से जोरदार प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा।

घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भेजते हुए आरोपी शुभम कुमार को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में चालान कर दिया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल रहा, हालांकि पुलिस की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में है।

# छोटा हाथी और बाइक की टक्कर में कई घायल, मचा हड़कंप

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर रोड पर चंचलपुर के पास बुधवार को छोटा हाथी वाहन और बाइक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छोटा हाथी वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास

के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किए जाने की भी जानकारी मिली है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारु कराया गया।

# बिजनौर में महिलाओ ने निकाली आक्रोश रैली

## महिला आरक्षण को लेकर विरोध, पुतला दहन कर जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):- महिला आरक्षण के मुद्दे पर विरोध जताते हुए शनिवार को शहर में सैकड़ों महिलाओं ने जोरदार आक्रोश रैली निकाली। रैली का नेतृत्व इंदिरा सिंह, संगीता जैन अग्रवाल एवं हरजिंदर कौर ने संयुक्त रूप से किया।

जानकारी के अनुसार, 18 अप्रैल 2026 को संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में विपक्ष द्वारा समर्थन न दिए जाने को लेकर महिलाओं में रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में नगर पालिका परिषद परिसर स्थित पार्क में एकत्रित होकर महिलाओं ने

पदयात्रा शुरू की, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पोस्ट ऑफिस चौराहे तक पहुंची।

रैली के दौरान महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए विपक्ष के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया। पोस्ट ऑफिस चौराहे पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं का पुतला दहन किया।

इस मौके पर चेयरपर्सन इंदिरा सिंह ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और भागीदारी को लेकर विपक्ष का रुख निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर समर्थन न देना महिलाओं की भावनाओं के खिलाफ है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरे शहर में यह रैली चर्चा का विषय बनी रही।

# 9 मई की लगेगी लोक अदालत, अधिक से अधिक वाद निस्तारण का लक्ष्य

बिजनौर (सब का सपना):- आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला जजी परिसर स्थित एडीआर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नोडल ऑफिसर (राष्ट्रीय लोक अदालत) लोकेश नागर ने की, जबकि संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नैन्सी धुन्ना ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी और बैंकों के प्रबंधक मौजूद रहे।

बैठक में 09 मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए अधिक से अधिक वादों के निस्तारण पर जोर दिया गया। अधिकारियों से अपने-अपने विभागों

में लंबित मामलों को चिन्हित कर लोक अदालत में प्रस्तुत करने और व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया गया।

विभागवार आंकड़ों के अनुसार राजस्व विभाग द्वारा करीब 45 हजार वाद चिन्हित किए गए हैं, जबकि दूरसंचार विभाग ने 616 मामलों को सूचीबद्ध किया है। बैंकों की ओर से लगभग 13,500 वाद और श्रम विभाग द्वारा 7 मामलों को चिन्हित किए जाने की जानकारी दी गई। इन मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि नोटिसों की समय से तामील सुनिश्चित की जाए, जिसमें पुलिस विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इसके अलावा लोक अदालत के दिन पक्षकारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जजी परिसर में पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने विश्वास जताया कि आपसी समन्वय और सक्रियता से इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिक सफल बनाया जा सकेगा।

# शेरकोट में 50 करोड़ का जमीनी घोटाले में पूर्व विधायक समेत 13 पर मुकदमा दर्ज

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के शेरकोट क्षेत्र में करीब 50 करोड़ रुपये के कथित जमीनी घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है। शेरकोट आवास विकास सहकारी समिति की जमीन पर कूटरचित दस्तावेजों के जरिए कब्जा करने के आरोप में पूर्व विधायक समेत 13 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोप है कि समिति की बहुमूल्य जमीन को सुनियोजित तरीके से फर्जी कागजात तैयार कर हड़प लिया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद मुख्य आरोपी बताए जा रहे पूर्व विधायक गाजी और

उनके भाई कथित तौर पर घर छोड़कर फरार हो गए हैं। वहीं इस प्रकरण से जुड़ा नाम तालिब पहले से ही एक अन्य मामले में जेल में बंद बताया जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर यह मामला लंबे समय से चर्चा में था, लेकिन कार्रवाई न होने से लोगों में नाराजगी थी। समिति के सदस्य हाजी शफीक अहमद ने आरोप लगाया कि ह्तालिब, सलीम, पूर्व विधायक गाजी और उनके सहयोगियों ने मिलीभगत कर जमीन पर अवैध कब्जा किया। ये सभी प्रभावशाली और माफिया प्रवृत्ति के लोग हैं, जिस कारण पहले शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हुई ह्व

उन्होंने बताया कि करीब दो माह पूर्व समिति के सदस्य लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से मिले थे, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और अब मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही सभी आरोपी गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में होंगे।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इस बड़े घोटाले के खुलासे के बाद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है और लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

# मंडावली थाना क्षेत्र में ताबड़तोड़ फायरिंग, अदनान नामक युवक घायल

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- मंडावली थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब युवकों के एक समूह ने अदनान नामक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलीबारी की इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल अदनान अपने एक दोस्त के मेडिकल स्टोर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने आया था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे कुछ युवकों ने उस पर कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगने से अदनान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि हमलावर और पीड़ित पक्ष के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है और इससे पहले भी दोनों गुटों के बीच फायरिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और समारोह स्थल पर मौजूद लोग जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। हमलावरों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं, वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# दलित हिस्ट्री में साहित्य और इतिहास की गौरवगाथा पर गहन मंथन

नई दिल्ली (सब का सपना):- 'दलित हिस्ट्री मंथ' के उपलक्ष्य में 'सृजन साहित्य संवाद' द्वारा आयोजित विशेष वैचारिक श्रृंखला के दूसरे दिन 28 अप्रैल को साहित्य और सामाजिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रख्यात लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता अनिता भारती के संयोजन में आयोजित इस ऑनलाइन सत्र "चार उपन्यास - चार साहित्यकार" ने हाशिए के समाज के संघर्ष, अस्मिता और ऐतिहासिक गौरव को नई दृष्टि प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान ओड़िया के प्रख्यात उपन्यासकार बासुदेव सुनानी के बहुचर्चित उपन्यास 'जलती हुई बस्ती' पर प्रमुख वक्ता वेद प्रकाश ने विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि किस तरह यह उपन्यास दलित बस्तियों के भीतर धधकते आक्रोश, विस्थापन की पीड़ा और व्यवस्थागत उत्पीड़न के ज्वलंत सवालों को साहित्य के माध्यम से वैश्विक पटल पर रखता है। इसी कड़ी में रजनी दिसोदिया ने वरिष्ठ लेखक कैलाश

वानखेड़े के उपन्यास 'उजला अंधेरा' का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह कृति न केवल जातिगत भेदभाव के गहन अंधेरे को चित्रित करती है, बल्कि उस अंधेरे के बीच मानवीय गरिमा और उम्मीद की किरणों को तलाशने की एक सशक्त दास्तान भी है।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए नीलम (जेएनयू) ने प्रतिष्ठित कथाकार रतनकुमार सांभरिया के चर्चित उपन्यास 'नटनी' के विभिन्न आयामों को साझा किया। उन्होंने नट समुदाय के जटिल जीवन संघर्ष, उनकी विलक्षण सांस्कृतिक पहचान और विशेष रूप से महिलाओं द्वारा झेले जा रहे दोहरे शोषण के मर्मस्पर्शी पहलुओं को श्रोताओं के सम्मुख रखा। कार्यक्रम के समापन सत्र में स्वयं संयोजिका अनिता भारती ने लेखक टेकचंद के ऐतिहासिक उपन्यास 'भीमा कोरेगांव के पांच सौ महार सैनिकों की शौर्यगाथा' पर संवाद किया। उन्होंने भीमा कोरेगांव के गौरवशाली इतिहास को वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक चेतना से जोड़ते हुए कहा कि यह शौर्यगाथा केवल अतीत का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आज के दौर में दलित आत्मसम्मान और पहचान की लड़ाई का सबसे मजबूत वैचारिक आधार है।

सृजन साहित्य संवाद के इस मंच पर जुटे विद्वानों ने एकमत से स्वीकार किया कि ये उपन्यास केवल काल्पनिक कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि ये दलित इतिहास और जीवन के जीवंत दस्तावेज हैं जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान फेसबुक लाइव के माध्यम से देशभर से बड़ी संख्या में साहित्यकार, शोधार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े और इस सार्थक विमर्श की सराहना की। अंत में अनिता भारती ने सभी वक्ताओं और श्रोताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य के माध्यम से हाशिए की आवाजों को मुख्यधारा में लाना ही इस आयोजन की असली सफलता है।

# किसान सम्मान निधि की किस्तें रुकीं, 30 अप्रैल तक करें अपडेट

बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले में बड़ी संख्या में किसानों की किस्तें तकनीकी व अभिलेखीय कमियों के कारण रोक दी गई हैं। कृषि विभाग के अनुसार करीब 46,536 किसानों का डाटा अपूर्ण पाया गया है, जिससे 6,000 रुपये वार्षिक सहायता प्रभावित हो रही है। जांच में सामने आया कि 31,322 किसानों ने विरासत में मिली जमीन का सही विवरण दर्ज नहीं किया, जबकि 8,944 किसान पात्रता मानकों में नहीं आते। इसके अलावा 6,270 मामलों में पूर्व व वर्तमान भू-स्वामी दोनों लाभ ले रहे हैं।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे 30 अप्रैल 2026 तक जन सेवा केंद्र या पोर्टल पर जाकर "Update Missing Information" के माध्यम से विवरण सही कर लें। समय पर अपडेट न करने पर डाटा अमान्य कर दिया जाएगा।

**खबर एक्सप्रेस**

## अमृतसर में पेशी पर ले जा रही कैदियों की गाड़ी रास्ते में खराब, पुलिस ने धक्का देकर पहुंचाया कोर्ट

अमृतसर। अमृतसर सेंट्रल जेल से कैदियों को पेशी बढ़ाने ले जा रही बख्तर बंद रास्ते में खराब हो गई' खतरनाक कैदियों और हवालातियों से बड़े इस बकतर बंद को धकेलना के लिए पुलिस वालों ने खुद इस धक्का मार कर मैकेनिक के पास ले गए। लगभग आधे घंटे की मरम्मत के बाद बक्सर बंद को स्टार्ट किया गया और कचहरी में पहुंचाया गया' इस सारे घटनाक्रम की लोगों ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाई और वायरल कर दी। पता चला है कि 70 कैदियों को इस बक्सर बंद में बैठाकर जिला कचहरी में पेशी बढ़ाने के लिए लाया जा रहा था। थाना डी डिवीजन के पास यह गाड़ी बंद हो गई काफी प्रयास किया गया लेकिन स्टार्ट नहीं हुई इसके बाद पुलिसकर्मियों ने इस वाहन को खुद धक्का लगाया और मैकेनिक की दुकान तक ले गए। आधे घंटे की मरम्मत के बाद इसे स्टार्ट करवाया गया और कचहरी भेजा गया।

## आप छोड़ बीजेपी में आए राज्यसभा नेताओं को गद्दार कहना अलोकतांत्रिक', पंजाब भाजपा के पूर्व प्रधान का तीखा वार

, जालंधर। पंजाब भाजपा के पूर्व प्रधान एवं पूर्व राज्यसभा मेंबर श्वेत मलिक ने कहा है कि आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सात राज्यसभा मेंबेरों को गद्दार कहना अलोकतांत्रिक है। खासकर इंटरनेशनल क्रिकेटर रहे हरभजन सिंह, जो भारत के लिए वर्ल्ड कप जीता उसके घर की दीवार पर गद्दार लिखना बड़े अपमान की बात और निंदनीय है। तब तो आप के अधिकांश नेता के घर के बाहर गद्दार लिखना चाहिए, जो आए ही दूसरी पार्टी से हैं। एक निजी होटल में मंगलवार दोपहर को हुई प्रेस वार्ता के दौरान श्वेत मलिक ने उक्त बातें कही। इस मौके पंजाब भाजपा के महासचिव राकेश राठौर, पूर्व सीपीएस केडी भंडारी, जिला प्रधान सुशील शर्मा ल, अशोक सरीन हिक्की आदि मौजूद थे। मलिक ने कहा कि जो राज्यसभा सांसद आप छोड़कर भाजपा में गए आए हैं, वे बिना किसी शर्त के पार्टी में शामिल हुए हैं। इसके बावजूद उन्हें गद्दार कहना अपने आप में एक बड़ा पाप है। उन्होंने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टी खुद को कट्टर ईमानदार बताती है, उसी के नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं।आरोप लगाया कि आप वाले कट्टर ईमानदारह्व नहीं बल्कि कट्टर बेईमान है और यह आम आदमी की नहीं, बल्कि खास लोगों की पार्टी बन चुकी है। कई आप के विधायकों के भाजपा में शामिल होने की चर्चा के सवाल पर कहा कि अब पंजाब में आप की सरकार के गिनती के दिन बचे है, ऐसे में भाजपा ही एकमात्र विकल्प बचा है। जो भी लोग देश सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए भाजपा के दरवाजे खुले हैं और सभी का स्वागत है।

## पटियाल के राजपुरा में घरेलू विवाद में पिता बना हैवान, 15 वर्षीय बेटी का गला दबाकर हत्याग

पटियाला/राजपुरा। घरेलू झगड़े के बाद पत्नी घर से चली गई और तीन साल से अलग रह रही है। पत्नी को वापस बुलाने के लिए कई बार फोन किया और बेटी को मारने की धमकियां भी दीं। इसके बावजूद पत्नी घर नहीं लौटी। इसके बाद पत्थरदिल पिता ने अपनी 15 वर्षीय मासूम बेटी का चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। यही नहीं सुबूत मिटाने के लिए उसने बेटी का अंतिम संस्कार भी कर दिया। यह घटना पुलिस थाना खेड़ी गंडियां में पड़ते गांव अलीपुर मंडवाल में 26 अप्रैल को हुई है। इसके बाद लड़की की मां लखविंदर कौर ने पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस ने तुरंत श्मशानघाट पहुचकर फोरेंसिक टीम की मदद से सैंपल लिए लेकिन तब तक अंतिम संस्कार हो चुका था। पुलिस ने मृतक मनिंदर कौर की मां लखविंदर कौर के बयानों पर आरोपित परमजीत सिंह निवासी गांव अलीपुर मंडवाल के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर दी है। लखविंदर कौर ने बताया कि 26 अप्रैल को उसे सूचना मिली कि उसके पति परमजीत सिंह ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर बेटी मनिंदर कौर को चुन्नी से फंदा लगाकर मार दिया है। इन लोगों ने पुलिस या मायके पक्ष को सूचित किए बिना ही चुपचाप शव को श्मशानघाट में ले जाकर अंतिम संस्कार भी कर दिया। यही नहीं पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दी लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, मनिंदर की देह पूरी तरह जल चुकी थी।सूचना के बाद पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें श्मशानघाट पहुंचीं और मृतक मनिंदर कौर की चिता से जरूरी सैंपल इकट्ठा किए। मामले में आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक किशोरी की मां लखविंदर कौर निवासी चौहान कालोनी, सैदखेड़ी ने बताया कि उसका विवाह वर्ष 2009 में परमजीत सिंह के साथ हुआ था। परिवार में एक बेटी मनिंदर कौर और एक बेटा एकमजोत है। उनका आरोप है कि परमजीत उनके साथ मारपीट करने लगा था। इसी कारण परेशान होकर पिछले तीन सालों से दोनों अलग रह रहे थे। लखविंदर कौर अपने बेटे के साथ अलग रह रही थी, जबकि दसवीं में पढ़ रही उनकी 15 वर्षीय मनिंदर कौर पिता परमजीत के साथ रह रही थी। महिला ने आरोप लगाया कि परमजीत अकसर उसे धमकाता था कि अगर वह वापस नहीं आई, तो वह बेटी मनिंदर को जान से मार देगा। बेटी के जाने के गम से श्मशानघाट में रो-रोकर लखविंदर कौर का बुरा हाल था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी के साथ हत्या से पहले कोई गलत हरकत की गई हो सकती है, जिसे छिपाने के लिए आरोपितों ने इतनी जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किया। लखविंदर कौर ने कहा, 'मेरी बेटी पढ़ाई में बहुत होशियार थी, उसका क्या कसूर था? मैं तब तक शांत नहीं बैठूंगी जब तक इस कलियुगी बाप को सख्त सजा नहीं मिलती।' पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें श्मशानघाट पहुंचीं और मृतक मनिंदर कौर की चिता से जरूरी सैंपल इकट्ठा किए। पुलिस थाना खेड़ी गंडियां के प्रभारी जरनैल सिंह भुल्लर ने बताया कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने श्मशानघाट पहुंचकर किशोरी मनिंदर कौर की चिता से जरूरी सैंपल लिए हैं। इसकी रिपोर्ट व शिकायत के आधार पर अगली कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार करेंगे।

# आप को फिर लगेगा झटका, पंजाब के दो और सांसद बदलेंगे पाला', अकाली दल का बड़ा दावा

चंडीगढ़। सांसद राघव चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन करने के बाद पंजाब से आप को फिर झटका मिलने के संकेत मिले हैं। इसे लेकर अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने बड़ा दावा किया है। मजीठिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पंजाब में और कमजोर होगी। दो सांसद और छोड़ेंगे आपः मजीठिया शिअद नेता ने कहा कि आप के दो सांसद और पार्टी छोड़ सकते हैं। उन्होंने अपने सूत्रों का हवाला देते हुए यह बात कही। शिरोमणि अकाली दल के महासचिव ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान को टैग करते हुए कहा, "एक और दिन, एक और विदाई की तैयारी... सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा के दो सांसद जल्द ही आम आदमी पार्टी छोड़ सकते हैं। 'बार-बार उड़ान भरने वालों' (पार्टी छोड़ने वालों) की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है।" आम आदमी पार्टी ने अभी तक अकाली दल नेता के इस दावे पर

कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।आप छोड़ने के बाद क्या बने रहेंगे सांसद? गौरतलब है कि सात राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में जाने के बाद आम आदमी पार्टी के अभी लोकसभा में तीन सदस्य हैं। ये सभी पंजाब से हैं। भारत का दल-बदल विरोधी कानून सदस्यों को पार्टी से अलग होकर किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने की इजाजत देता है, बशर्ते वे उस सदन में पार्टी की कुल ताकत का दो-तिहाई हिस्सा हों इसका मतलब है कि अगर अकाली दल का दावा सच साबित होता है, तो ये दोनों सांसद अयोग्य घोषित होने से बच सकते हैं और किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी के पास सिर्फ चार सांसद बचेंगे। तीन राज्यसभा में और एक लोकसभा में। आम आदमी पार्टी में पहले ही फूट पड़ चुकी है, जब कुछ दिन पहले युवा सांसद राघव चड्ढा पार्टी छोड़कर अलग हो गए थे और अपने साथ राज्यसभा में पार्टी की दो-तिहाई ताकत भी ले गए थे। अपने इस कदम को सही ठहराते हुए, चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर "भ्रष्ट और समझौतावादी" होने का आरोप लगाया था। आप ने चड्ढा को पहले विधायक और फिर सांसद जैसे ऊंचे पदों पर पहुंचाने के बावजूद, उनके इस कदम को "विश्वासघात" करार दिया था।

## पंजाब का 'ग्लोबल' विजन, शिक्षा, कृषि और उद्योग में फिनलैंड और नीदरलैंड मॉडल लागू करने की तैयारी

चंडीगढ़। वैश्विक स्तर की तकनीक और नीतियों को अपनाकर पंजाब को नई रफ्तार देने की तैयारी तेज हो गई है। हाल ही में यूरोपीय देशों के दौरे से लौटे प्रतिनिधिमंडल के अनुभवों के आधार पर सरकार अब खेती, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्रों में बड़े बदलाव की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इस का मकसद कम संसाधनों में अधिक उत्पादन, बेहतर शिक्षा गुणवत्ता और राज्य में निवेश को आकर्षित करना। मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने मंगलवार पत्रकारों से बातचीत में बताया कि फिनलैंड और नीदरलैंड में आधुनिक तकनीक के जरिए खेती को पूरी तरह बदल दिया गया है। पालीहाउस और ग्लास हाउस जैसी तकनीकों से एक स्क्वेयर मीटर में उत्पादन 5-6 किलो से बढ़कर 80-100 किलो तक पहुंच गया है, जबकि पानी की खपत बेहद कम और केमिकल का इस्तेमाल लगभग खत्म हो चुका है। सरकार अब इस मॉडल को पंजाब में भी बड़े स्तर पर लागू करने की योजना बना रही है। शिक्षा के क्षेत्र में फिनलैंड का मॉडल विशेष रूप से प्रभावी शिक्षा के क्षेत्र में फिनलैंड का मॉडल विशेष रूप से प्रभावी पाया गया, जहां शिक्षकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इसी तर्ज पर पंजाब में भी टीचर ट्रेनिंग और स्कूल सिस्टम को मजबूत किया जाएगा।शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने जानकारी दी कि जिन विद्यार्थियों ने हाल ही में जेईई मेन (जेईई) परीक्षा पास की है, उन्हें बुधवार को मोहाली स्थित विकास भवन में सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहेंगे और छात्रों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाएंगे। उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि दौरे के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और निवेशकों के साथ सार्थक बातचीत हुई है। एग्री-टेक, फूड प्रोसेसिंग और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश की अच्छी संभावनाएं बनी हैं। कुछ कंपनियों ने पंजाब में प्लांट लगाने में रुचि भी दिखाई कुछ कंपनियों ने पंजाब में प्लांट लगाने में रुचि भी दिखाई है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार तेज मंजूरी प्रक्रियाऔर बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने पर काम कर रही है। इसके अलावा 18 मई को अगला डेलिगेशन विदेश भेजा जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। अब तक 200 से अधिक लोग ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। सरकार का मानना है कि इन प्रयासों से पंजाब में आधुनिक खेती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

## बरनाला में सुरक्षा में सेंध, ट्राइडेंट प्लांट के पास संदिग्ध ड्रोन क्रैश; मामले की जांच जारी

बरनाला। जिले के ट्राइडेंट ग्रुप के धौला प्लांट में मंगलवार की सुबह एक रहस्यमयी ड्रोन गिरने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई इस घटना ने न केवल प्लांट प्रबंधन को चौकन्ना कर दिया बल्कि जिला पुलिस भी तत्काल हरकत में आ गई। इस घटना को इसलिए भी अत्यंत संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि इससे महज कुछ दिन पहले ही ट्राइडेंट ग्रुप के संस्थापक राजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी का दामन छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे।मंगलवार सुबह लगभग 5:30 बजे ट्राइडेंट ग्रुप के धौला प्लांट की पेपर डिवीजन के वुड फाइबर लाइन क्षेत्र में कर्मचारी अपनी नियमित ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी नजर आसमान से नीचे गिरती एक अनजान वस्तु पर पड़ी। कर्मचारियों ने फौरन अपने शिफ्ट इंचार्ज को इसकी सूचना दी।शिफ्ट इंचार्ज ने प्लांट के एडमिन हेड रूपिंदर गुप्ता ने तुरंत मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम को दी। डीएसपी तपा जसकरण सिंह और थाना रूड़ेके के प्रभारी इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह सहित साइबर क्राइम की विशेष टीम जांच में जुट गई हैं। चाइनीज ड्रोन होने का शक, फॉरेंसिक लैब भेजा ाएगा एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम ने बताया कि पहली नजर में यह ड्रोन चाइनीज निर्मित प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि इस किस्म के साधारण ड्रोन आमतौर पर अमेजॉन जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दो से तीन हजार रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस इस मामले को पूरी गंभीरता और सतर्कता से ले रही है। उन्होंने बताया कि इस ड्रोन को ड्रोन फॉरेंसिक लैब में भेजा जाएगा जहां इसकी विस्तृत तकनीकी जांच होगी। फॉरेंसिक जांच से यह स्पष्ट हो सकेगा कि ड्रोन में कैमरा या कोई अन्य उपकरण लगा था या नहीं और इसे किस उद्देश्य के लिए उड़ाया जा रहा था। राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़ कर देखा जा रहा है मामला ट्राइडेंट ग्रुप के संस्थापक राजेंद्र गुप्ता ने महज कुछ दिन पहले ही आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। इस राजनीतिक पाला बदल के ठीक दो दिन बाद उनकी फैक्ट्री परिसर में एक अज्ञात ड्रोन का मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है।

## जालंधर के गढ़ा में ऑटो चालक की मौत, शरीर पर मिले चोट के निशान; हत्या का शक

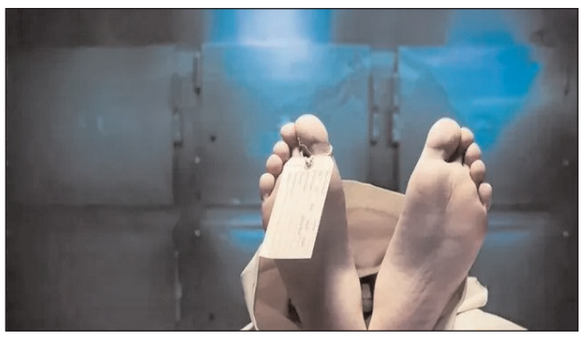

जालंधर। जालंधर के गढ़ा इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब रेलवे लाइनों के पास एक युवक का शव संदिग्ध हालत में बरामद हुआ। मृतक की पहचान राजेश के रूप में हुई है, जो पेशे से आटो चालक बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक राजेश सुबह अपने घर से रोज की तरह काम पर निकला था, लेकिन देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उससे संपर्क करने की कोशिश की। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई। कुछ समय बाद लोगों ने रेलवे ट्रैक के पास एक शव पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान करवाई तो वह राजेश का निकला। शव पर कई चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध बन गया है और हत्या की आशंका जताई जा रही है।पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है, ताकि घटना के पीछे की सच्चाई सामने लाई जा सके।

## दुकान के बाहर ग्रेनेड फेंके जाने के बाद अलर्ट, पुलिस ने शहर के बाजारों में चलाया सर्च ऑपरेशन

गुरदासपुर : गुरदासपुर शहर में गीता भवन रोड पर अशोक चिप्स सेंटर के बाहर कल शाम कुछ अनजान लोगों द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने के बाद पुलिस ने शहर में सतर्कता बढ़ा दी है। इस घटना के बाद पुलिस ने आज शहर के अलग-अलग मार्केट में सर्च ऑपरेशन भी चलाया। गौरतलब है कि कल रात इस्लामाबाद मोहल्ला के मेन मार्केट में स्थित अशोक चिप्स सेंटर के बाहर हैंड ग्रेनेड मिलने की सूचना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और पूरे इलाके को चारों तरफ से सील कर दिया गया।सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने मार्केट बंद करा दिया और बम डिस्पोजल स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। टीम ने ग्रेनेड को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित तरीके से हटा दिया। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ग्रेनेड वहां कैसे पहुंचा। घटना के बाद सोमवार को गुरदासपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए शहर के अलग-अलग मार्केट में सरप्राइज चेकिंग ऑपरेशन चलाया। इस दौरान डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल स्क्वायड ने दुकानों और मार्केट की अच्छी तरह से तलाशी ली। इस पूरे ऑपरेशन को SP (D) डीके चौधरी ने लीड किया।रिपोर्टर्स से बात करते हुए SP डीके चौधरी ने कहा कि शहर में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। उन्होंने कहा कि अशोक चिप सेंटर के बाहर मिले ग्रेनेड केस की अच्छी तरह से जांच की जा रही है और सभी पॉसिबल एंगल से जांच की जा रही है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपना सामान दुकानों के अंदर रखें और मार्केट में बेवजह घुसपैठ न करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या चीज के बारे में तुरंत पुलिस को इन्फॉर्म करें। इस बीच, ट्रैफिक पुलिस ने गैर-कानूनी तरीके से पार्क की गई गाड़ियों के चालान भी काटे और लोगों को सेफ्टी रूल्स फॉलो करने की हिदायत दी। घटना के बाद शहर के लोगों में चिंता का माहौल है, हालांकि पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और पुलिस का कोऑपरेट करें।

# पंजाब में शंभू बॉर्डर रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट, आतंकी जगरूप सिंह की मौत; पुलिस खंगाल रही रिकॉर्ड

तरनतारन। गत रात शंभू बार्डर समीप रेलवे लाइन पर ब्लास्ट हुआ। इस दौरान ट्रैक उड़ाने दौरान एक आतंकी के शरीर के चीथड़े उड़ गए। जिसकी पहचान पंजाब के जिला तरनतारन के गांव पंजवड़ निवासी जगरुप सिंह उर्फ जूपा के तौर पर हुई है। आर्तकियों की पुश्तभूमि के तौर पर जाने जाते गांव पंजवड़ के लोग हैरान नजर आए। हालांकि खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने गांव में डेरा डाल लिया है। आटा चक्की चलाने वाले जगरुप सिंह जूपा की आयु करीब 33 वर्ष बताई जाती है।विधानसभा उपचुनाव के दौरान जूपा पर दर्ज हुआ था मामला तरनतारन विधानसभा उपचुनाव के दौरान जूपा के खिलाफ पोस्टर फाड़ने बाबत एक शिकायत थाना झब्बाल में दर्ज हुई थी। इसके अलावा जूपा के खिलाफ कोई अन्य आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। मंगलवार को जब पता चला कि रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट के दौरान जूपा की मौत हुई है तो गांव के लोग हैरान रह गए।दो बेटियों का बाप जूपा अक्सर निहंग वेष में रहता था। ग्रामीण पाल सिंह, मेजर सिंह, सेवक सिंह ने बताया कि विवाहित जगरुप सिंह आर्तकियों से जुड़ा होगा, इस बाबत कभी सोचा भी नहीं था। बता दें कि खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के मुखिया परमजीत सिंह पंजवड़ की गत वर्ष पाकिस्तान में बाइक सवारों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।गांव पंजवड़ से संबंधित कई और भी आतंकी रह चुके हैं। जगरुप सिंह जूपा के परिवार बाबत पुलिस द्वारा रिकार्ड खंगाला जा रहा है। तरनतारन के एसएसपी सुरिंदर लांबा कहते हैं कि जूपा के परिवार से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। मामले की गहनता से जांच के बाद जो भी रिपोर्ट सामने आएगी, उसे उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा। जूपा दो दिन पहले ही गांव में घूमता देखा गया था रेलवे लाइन पर ब्लास्ट के मामले में तरनतारन पुलिस द्वारा खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर पांच संदिग्ध लोगों को राउंडअप कर लिया गया है। माना जा रहा है कि ब्लास्ट मामले में इन लोगों से आतंकी गुट से संबंधित अहम जानकारी मिल सकती है। जूपा दो दिन पहले ही गांव में घूमता देखा गया था। सब डिवीजन तरनतारन के डीएसपी सुखबीर सिंह के नेतृत्व में उक्त लोगों से पूछताछ की जा रही है। डीजीपी रेलवे शशि प्रभा मौके पर पहुंची शंभू के नजदीक रेलवे लाइन पर बम विस्फोट की घटना के बाद स्पेशल डीजीपी रेलवे शशि प्रभा मौके पर पहुंची है जिन्होंने कहा कि हमला करने वाला आतंकी जगरूप सिंह के संबंधी कुछ सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इस फुटेज में जगरूप सिंह अमृतसर रेलवे स्टेशन पर पार्किंग में अपनी बाइक पार्क करता दिखाई देता है। डीजीपी शशि प्रभा ने माना कि इस आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान के हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना में कई लोग शामिल हो सकते हैं, जांच शुरू कर दी गई है जल्द ही पूरा मामला हल हो जाएगा। शंभू-राजपुरा रेलवे ट्रैक पर विस्फोटक लगाने वाला धमाके में मारा गया। आरोपित ने यह धमाका सोमवार रात राजपुरा और शंभू रेलवे स्टेशन के बीच गांव बठोनिया के नजदीक डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के रेलवे ट्रैक पर किया था।एसएसपी पटियाला वरुण शर्मा ने बताया कि धमाके में मरने वाला व्यक्ति जगरूप सिंह तरनतारन के गांव पंजवड़ का रहने वाला था। उसके शव के टुकड़े करीब 100 मीटर के दायरे में बिखरे मिले थे। मौके से एक सिम मिला है, जिसकी जांच में धमाके के राज खुल सकते हैं। उधर, आतंकियों की पृष्ठभूमि के तौर पर जाने जाते गांव पंजवड़ में खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने डेरा डाल लिया है। खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) का मुखिया परमजीत सिंह पंजवड़ इसी गांव का था। इस मामले में पांच संदिग्ध लोगों को राउंडअप करने की सूचना है, लेकिन पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। टुकड़ों में मिली लाश वहीं राजपुरा सिविल अस्पताल में टुकड़ों में बंटी डेड बॉडी जीआरपी द्वारा शवगृह में रखवाइ गयी है। इसके संबंध में पूछा गया कि वह डेड बॉडी जगरूप कि हैं तो उन्होंने बताया कि इसपर हम जांच कर रहे हैं कि वह बॉडी किसकी है। लेकिन विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से यह खबर मिली है कि राजपुरा मे पड़ी बॉडी जगरूप सिंह की ही है। उसने नीले रंग की पगड़ी पहनी हुई थी जोकि कई टुकड़ों में राजपुरा सिविल अस्पताल में लाई गयी है। ब्लास्ट में टुकड़ों में आयी लाश की राजपुरा सिविल अस्पताल में डेड बॉडी आने की पुष्टि रेड्ड द्वारा भी कर दी गई है. परंतु उन्होंने बताया कि हमे इसकी पहचान नहीं पता। पटियाला पुलिस ने शंभू पटियाला रेलवे लाइन पर हुए धमाके की घटना के बाद बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (क्क) की शह पर चल रहे एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मॉड्यूल के 4 पेशेवर आर्तकियों को गिरफ्तार कर शंभू-अंबाला रेलवे मार्ग पर हुए बम धमाके की गुत्थी को महज 12 घंटों के भीतर सुलझा लिया है। डीआईजी कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि परदीप सिंह खालसा (मुख्य सरगना) निवासी वार्ड नंबर 1 मानसा, , कुलविंदर सिंह बंगा निवासी पप्पीआना गांव मानसा, सतनाम सिंह सत्ता निवासी पंजवड़ तरतारन और गुरप्रीत सिंह गोपी निवासी मुरादपुर खुर्द बाबा विधि चंद नगर मुरादपुर खुर्द गोइंदवाल बाईपास थाना सिटी तरनतारन को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित सतनाम सिंह धमाके के समय करने वाले जगरूप सिंह का भाई है।

# बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

**बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।**

## हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

## एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

## कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

## प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

## इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

## पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

# सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

**सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।**

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

### क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

### एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

## किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

## आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

# बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

**फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।**

## डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

## सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

## स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

## शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

## ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

## 'किंग' के बाद 'जवान' के सीक्वल पर काम शुरू कर सकते हैं शाहरुख

**बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।**

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

### 'किंग' फिल्म के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

## क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल? मेकर्स ने बताई सच्चाई

**अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।**

### फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह

दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आईं कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारू रूप से चल रही है।'

### प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद काम पर लौटीं दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

### शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।

## 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के फिनाले में इमोशनल हुए अक्षय

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' 27 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

### अक्षय को टीम ने दिया खास ट्रिब्यूट

शो की ओर से एपिसोड का प्रोमो शेयर किया गया। प्रोमो की शुरुआत में ढेर सारी मस्ती देखने को मिलती है। लेकिन शो का तब इमोशनल हो जाता है, जब भूमि पेडनेकर बताती हैं कि शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' की टीम ने अक्षय के लिए एक खास ट्रिब्यूट तैयार किया है। इस वीडियो मोंटाज में शो के कई यादगार पल दिखाए जाते हैं, साथ ही एक दिल छू लेने वाला मैसेज सुनाई देता है- 'कल से ये मंच नहीं होगा, लेकिन आपकी मुस्कुराहट याद रहेगी, आपकी शरारतें, नादानियां और शैतानियां याद रहेंगी... आप याद रहेंगे।' यह ट्रिब्यूट देखकर अक्षय कुमार की आंखों में आंसू आ गए। प्रोमो में वो अपने आंसू छुपाने के लिए फराह खान के पीछे जाते नजर आते हैं। अपने इस सफर को याद करते हुए अक्षय बताते हैं कि शो के 65 एपिसोड पूरे हो चुके हैं, जिसमें करीब 200 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया।

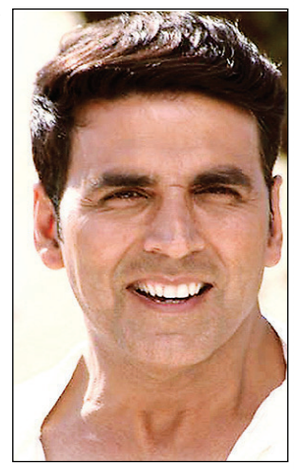

## सोशल मीडिया से परेशान हुए पार्थ समथान, उठाया यह बड़ा कदम

टीवी के मशहूर अभिनेता पार्थ समथान अपने बेहतरीन अभिनय के साथ ही अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में न जाने ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला कर लिया है। उनके इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला?

### पार्थ समथान ने सोशल मीडिया से क्यों बनाई दूरी?

दरअसल, पार्थ अपने परिवार और खुद पर होने वाले ट्रोलिंग से बहुत परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि कुछ लोग नकली अकाउंट्स खरीदकर उनके और उनके परिवार की निजी जिंदगी पर गलत कमेंट्स कर रहे हैं।

### 'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है'

पार्थ ने कहा, 'मैं शांत और पॉजिटिव इंसान हूं, लेकिन यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं जानता हूं कि यह सब कौन कर रहा है, लेकिन नाम लेना बेकार है।' उन्होंने आगे लिखा कि अब वह साइबर क्राइम में शिकायत करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे। बल्कि अपनी जिंदगी और काम पर ध्यान देंगे।

### कौन हैं पार्थ समथान?

पार्थ समथान एक प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं। उन्होंने 'गुमराह' और 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' जैसे शो से अपना करियर शुरू किया था। फिलहाल, पार्थ समथान टीवी शो 'सहर होने को है' में 'माहिद' का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ माही विज, ऋषिता सिंह और कनिका माहेश्वरी भी काम कर रही हैं। पार्थ को 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज से बहुत पॉपुलैरिटी मिली थी।

## मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब पैप्स उनसे फोटोज के लिए कहते हैं, तो उनका रिएक्शन कैसा होता है?

बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हंसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है।

हालांकि, एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवेसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाते हैं। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुंबई में पैपराजी कल्चर कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जागने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूं। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूं हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह चीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।

## हम दर्शकों को हल्के में लेते हैं उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है

अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुष्कर्म जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्रिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों 'अस्सी' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई। फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने 'अस्सी' को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीलों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूं। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि 'अस्सी' 'थप्पड़' की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूं। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझसे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है।

### अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई

क्या दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है; खरीदारी की आदतें भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद हैं।

### 12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी 'अस्सी'

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यावसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाना और देखना मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनाव है जो आप करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आप चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन 'अस्सी' उम्मीद से भी कम रही। यह भव्य तो नहीं बनी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतर है।

### कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने के कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षाएं, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें 'परेशान करने वाली' या 'दिल दहला देने वाली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधक साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, 'यह सबके लिए नहीं है' या 'अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें'। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।